



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

‘जनभाव उजाला’

दिनांक २५.१०.२०२० पृष्ठ संख्या..... २

कॉलम..... १५

गाय की धार्मिक ही नहीं वैज्ञानिक महत्ता भी

वैज्ञानिकों से रुबरु हुए डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया, बोले - जैविक उत्पाद व खाद को लेकर कृषि विज्ञान केंद्रों पर भी लगाएं डेमो यूनिट

अमर उजाला ब्लूरू

हिसार। वैज्ञानिक गोमाता व कृषि को एक दूसरे का पूरक मानते हुए इसी दिशा में शोध कार्य को बढ़ावा दें। गाय की धार्मिक महत्ता के साथ-साथ उसकी वैज्ञानिक महत्ता को समझना बहुत जरूरी है। इसके लिए किसानों को भी जागरूक किया जाना चाहिए। यह बात राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने शनिवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में गो संरक्षण को लेकर आयोजित बैठक में कही।

इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह से कहा कि वे ऐसी योजना तैयार करें, जिसके माध्यम से विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों पर डेमो यूनिट हुए जाएं और गाय को पालते हुए उसके गोबर व गोमूत्र से जैविक उत्पाद व खाद तैयार किए जा सकें। यहां से किसानों को भी प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि किसान इस क्षेत्र में भी स्वरोजगार स्थापित करें और पर्यावरण को भी संरक्षित कर सकें। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि जहर सूक्त खेतों के लिए इस दिशा में काम करने की जरूरत है और किसानों को जागरूक करने के लिए इसे अधियान के रूप में अपनाना होगा।



विश्वविद्यालय के कुलपति व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक करते राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया। संवाद

आधुनिक समय के त्रिष्णु मुनि हैं वैज्ञानिक : गर्ग

हरियाणा गो सेवा आयोग के चेयरमैन ब्रवण गर्ग ने कहा कि वैज्ञानिक आधुनिक समय के ऋषि-मुनियों की भूमिका अदा करें, जोकिं विषय समय देश विश्व गुण था, उस समय ऋषि मुनि ही वैज्ञानिकों की तरह काम करते थे। इस दौरान डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, कृतसचिव डॉ. बीआर कंबोज, वित्तार शिक्षा निदेशक डॉ. एसके सहरावत आदि भी मौजूद रहे।

खेती उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की हुई है। इस केंद्र में किसानों के साथ मिलकर जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए काम किया जा रहा है और इसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

गोमूत्र पर अनुसंधान करे लुवास : राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने कहा कि गो प्रतिक्रियाएँ को आर्थिक रूप से संपन्न बनाने की

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के अधिकारियों एवं विभागाध्यक्षों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय वो चाहिए कि गोमूत्र पर अनुसंधान करके इसके चिकित्सिय गुणों को प्रतिष्ठित करे। हमें गाय के गोबर पर भी शोध करके इसे अधिक उपयोगी बनाना चाहिए। उन्होंने वैज्ञानिकों को गाय

गाय का दूध औषधि समान, बने शोध संस्थान

अमर उजाला ब्लूरू

एचएयू और लुवास के साथ मिलकर बनाया जाए पंचगव्य शोध संस्थान

हिसार। गाय के दूध को औषधि माना गया है। गो अक्से से बहुत सी औषधियां ठीक होती हैं, लेकिन विज्ञान प्रमाण मानता है। प्रमाण सामने लाने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) और लाला लाजपत राय पशु विज्ञान एवं पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय (लुवास) के साथ मिलकर एक पंचगव्य शोध संस्थान बनाने की जरूरत है, ताकि गाय के दूध व पंचगव्य उत्पादों को लेकर अधिक से अधिक शोध हो सके। कृषि एवं पशु विश्वविद्यालय होने के कारण इसके लिए हिसार उत्पुत्त कर जग है।

इस संबंध में जिला गोसेवा प्रमुख और ग्राम पंचायत आर्य नगर ने एक मांगपत्र राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के चेयरमैन डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया को सौंपा है। इस संबंध में आयोग के भैंस फार्म एवं पशु प्रजनन विभाग के गाय फार्म का दौरा किया। पशु चिकित्सा महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. दिवाकर प्रकाश शर्मा ने विश्वविद्यालय की तरफ से राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया, हरियाणा विश्वविद्यालय के कलपति डॉ.

स्वागत किया गया। डॉ. दिवाकर शर्मा ने लुवास द्वारा गोसेवा के कल्याण कार्यों एवं इसके द्वारा किए जा रहे अनुसंधान की जानकारी दी। इस मौके पर गाय फार्म में अध्यक्ष डॉ. कथीरिया व त्रिवेणी लगाई। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कलपति डॉ.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

ਪੜ੍ਹਾਵੇਂ ਕੋਈ

दिनांक २५.१०.२०२० पृष्ठ संख्या ५ कॉलम १-६

कृषि विज्ञान केंद्रों पर भी लगाएं डैमो यूनिट : डॉ. क^०. क^० एच.ए.यू. के कुलपति व वैज्ञानिकों से स्वबरूप हुए राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय



कुलपति व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक करते राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया।

हिसार, 24 अक्टूबर (ब्यूरो): वैज्ञानिक गौमाता व कृषि को एक दूसरे का पूरक मानते हुए इसी दिशा में शोध कार्य को बढ़ावा दें। गाय की धार्मिक महत्ता के साथ-साथ उसकी वैज्ञानिक महत्ता को समझना बहुत जरूरी है। इसके लिए किसानों को भी जागरूक किया जाना चाहिए। यह आहान राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से किया। वे शनिवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह वैज्ञानिक गौमाता व कृषि को एक दूसरे का पूरक मानते हुए इसी दिशा में शोध कार्य को बढ़ावा दें। गाय की धार्मिक महत्ता के साथ-साथ उसकी वैज्ञानिक महत्ता को समझना बहुत जरूरी है। इसके लिए किसानों को भी जागरूक किया जाना चाहिए। यह आहान राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से किया। वे शनिवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व अधिकारियों से गौसंरक्षण को लेकर आयोजित बैठक के दौरान बोल रहे थे। इस दौरान हरियाणा गौसेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण गर्ग व हरियाणा गौ सेवा आयोग के सचिव डॉ. कल्याण सिंह भी साथ

में मौजूद थे। कुलपति प्रो. समर सिंह ने उनका विश्वविद्यालय में पहुंचने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय में जारी शोध कार्यों व अन्य गतिविधियों से अवगत कराया।

डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने कहा कि किसानों को जैविक खेती के प्रति जागरूक करने में कृषि विज्ञान केंद्रों का रोल बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कुलपति से कहा कि वे ऐसी योजना तैयार करें, जिसके माध्यम से विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों पर डैमो यूनिट लगाई जाएं और गाय को पालते हुए उसके गोबर व गौमूत्र से जैविक उत्पाद व खाद तैयार की जा सके। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि जहर मुक्त खेती के लिए इस दिशा में काम करने की जरूरत है और किसानों को जागरूक करने के लिए इसे अभियान के रूप में

अपनाना होगा।

कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में करीब 100 एकड़ में दीन दथाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की हुई है। इसमें किसानों के साथ मिलकर जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए काम किया जा रहा है और इसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। यहां से किसान अधिक से अधिक जैविक खेती के बारे में जानकारी हासिल कर रहे हैं। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिंहपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत सहित अधिष्ठाता, निदेशक व विभागाध्यक्ष मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

द्वीर मृगि

समाचार पत्र का नाम

दिनांक २५.१७.२०२० पृष्ठ संख्या १ कॉलम २-४

गाय व खेती को एक-दूसरे के पूरक बनाएं, जहर मुक्त खेती के लिए अभियान घलाएं

हरियाणा न्यूज ► हिसार

कृषि विज्ञान केंद्रों पर भी लगाएं डेमो यूनिट : डॉ. कथीरिया



वैज्ञानिक गोमारण व कृषि को एक सूरक्षर का पूरक मानते हुए इसी दिशा में शोध कार्य को बढ़ावा दें। गाय की अधिक महत्व के साथ-साथ उसकी वैज्ञानिक पहली को समझना बहुत जरूरी है। इसके लिए विज्ञानीजों को भी जागरूक किया जाना चाहिए। यह आहान राष्ट्रीय कामबेतु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. बलल म भाई कथीरिया ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से किया। वे शनिवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सम्मानिक वैज्ञानिकों के बैठाने के दौरान बोले रहे थे। इस दौरान हरियाणा गोसेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण गांव व हरियाणा गोसेवा आयोग के सचिव डॉ. गांव व हरियाणा गोसेवा आयोग के सचिव डॉ. कल्याण रिंग भी साथ में मौजूद थे। इस मोक्त पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सम्म सिंह ने विश्वविद्यालय में जारी शोध कार्यों से अवगत

कराया।

जैविक खेती को बढ़ावा दे रहा है एचएन्सीपी. प्रो. समर रिंग हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सम्म सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में करीब सौ एकड़ में दीन द्वाल उपाध्याय कहा कि विश्वविद्यालय के स्थापना की हुई है। इस केंद्र में किसानों के साथ मिलकर जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए काम किया जा रहा है और इसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

आधुनिक समय के कृषि मुनि हैं वैज्ञानिक : श्रवण गांव वैज्ञानिक गोसेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण गांव ने कहा कि वैज्ञानिक समय के कृषि मुनियों की प्रौद्योगिकी अदा करें, क्योंकि जिस समय देश विश्वगुरु था, उस समय ऋषि मुनि ही वैज्ञानिकों को तराक करते थे। पराधीनता के समय सभी अपनी जिम्मेदारियों से भटक थे। अब समय है कि वे अधिक से अधिक गोसेवा के संरक्षण को लेकर काम करें और अपने शोध कार्यों को भी इसी दिशा में आगे बढ़ाने की कोशिश करें।

यह रहे मौजूद

एचएन्सीपी में आयोगित कार्यक्रम के दौरान कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिंहदुरिया, कुलसचिव डॉ. वी.आर. कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत सहित अधिकारी, निदेशक व विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

किसानों को जैविक खेती के प्रति जागरूक करें

अध्यक्ष कथीरिया ने कहा कि किसानों को जैविक खेती के लिए जागरूक करने में जैविक खेती को बढ़ावा देने का रोल बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुरापति प्रोफेसर सम्म द्वारा दिए गए काम के लिए देसी योजना द्वारा करने वाले जागरूक खेती के लिए विश्वविद्यालय के कृषि विभाग के द्वारा दिए गए काम के लिए जागरूक लोकों नाल और गाय को पालने हुए उनके नाल दूध देने का जागरूक लोकों नाल दूध देने का जागरूक उत्पाद व खाद तैयार की जा सके। यहां से किसानों की मी प्रशिक्षण दिया जाए ताकि किसान इस क्षेत्र में भी स्वरोज़र उत्पादित करें और आधिक स्तर पर काम कर सकें। उन्होंने वैज्ञानिकों को कहा कि जहर मुक्त भेत्री के लिए छास दिशा में काम करने की जरूरत है। और किसानों को जागरूक करने के लिए इसे अधिकारी के रूप में अपनाना



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पल. ५८

दिनांक २५. १०. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

कृषि विज्ञान केंद्रों पर भी लगाएं डेमो यूनिट; डॉ. कथीरिया

कहा: किसानों को जैविक खेती के प्रति जागरूक करने में कृषि विज्ञान केंद्रों का रोल बहुत ही महत्वपूर्ण है



► प्रोफेसर समर सिंह से कहा कि ऐसी योजना तैयार करें जिसके माध्यम से विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों पर डेमो यूनिट लगाइ जाएं और गाय को पालते हुए उसके गोबर व गौमूत्र से जैविक उत्पाद व खाद तैयार की जा सके।

पल पल न्यूज़: हिसार, 24 अक्टूबर। वैज्ञानिक गौ माता व कृषि को एक दूसरे का पूरक मानते हुए इसी दिशा में शोध कार्य को बढ़ावा दें। गाय की धार्मिक महत्ता के साथ-साथ उसकी वैज्ञानिक महत्ता को समझना बहुत जरूरी है। इसके लिए किसानों को भी जागरूक किया जाना चाहिए। यह आहान राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से किया। वे शनिवार को चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व अधिकारियों से गौ संरक्षण को लेकर आयोजित बैठक के दौरान बोल रहे थे। इस दौरान हरियाणा गौ सेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण गर्ग व हरियाणा गौ सेवा आयोग के सचिव डॉ. कल्याण सिंह भी साथ में मौजूद थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उनका विश्वविद्यालय में पहुंचने पर स्वागत किया और

विश्वविद्यालय में जारी शोध कार्यों व अन्य गतिविधियों से अवगत कराया। डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को गाय के गोबर के गुणों को लेकर लिखी गई एक पुस्तक व गाय के गोबर व गौमूत्र से तैयार उत्पाद भी भेंट किए। उन्होंने कहा कि किसानों को जैविक खेती के प्रति जागरूक करने में कृषि विज्ञान केंद्रों का रोल बहुत ही महत्वपूर्ण है।

उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति

प्रोफेसर समर सिंह से कहा कि वे ऐसी योजना तैयार करें जिसके माध्यम से विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों पर डेमो यूनिट लगाइ जाएं और गाय को पालते हुए उसके गोबर व गौमूत्र से जैविक उत्पाद व खाद तैयार की जा सके। यहां से किसानों को भी प्रशिक्षण दिया जाए ताकि किसान इस क्षेत्र में भी स्वरोजगार स्थापित करें। और आर्थिक रूप से समृद्ध होकर पर्यावरण को भी संरक्षित कर सकें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २५.१०.२०२० पृष्ठ संख्या..... ८ कॉलम..... ८

कृषि विज्ञान केंद्रों पर भी लगाएं डेमो यूनिट : डॉ. वल्लभ

गाय व खेती को बनाएं एक-दूसरे के पूरक, जहर मुक्त खेती के लिए चलाएं आभयान : डा. कथारया

- एदार्स्य के कुलपति व दैशानिकी से रूबरू हुए राष्ट्रीय कामधेनु आदेश के राष्ट्रीय अधिकारी

देवीनामक गीताएँ या कृष्ण को एक दुसरे का पूरक मानते हुए। इसी दिशा में शारीर कर्तव्य की विवरणों की बहुतीयता है। याहू की भास्मिक गतियाँ जैसे स्थापना या उत्तरांश देवीनामक महात्मा की अपेक्षाना बहुत अस्तीति है। इसके लिए किसानों को भी जागरूक करिया जाना चाहिए। ऐसा अद्भुत गोदायी कानून है। आपके के साथौरा विश्वास और कर्तनम वाले कर्तव्यों के सिवायत्तिवात्य

के बीच संवाद में विद्युत।
उस शिक्षाकार को लोगोंसे चरण सिंह द्वारा उनकी विश्वविद्यालय के छात्रानुसार प्रोफेसर समझ दिया गया था जो सरकारी वैज्ञानिकों व अधिकारियों से भी सरकार के लिए आयोजित कैंपस के द्वारा नाम दिया गया था। इस दौरान द्वारा यांग में योगी आयोगों के बीच संवाद विद्यार्थी व हासिलानी को संभाल आयोग के चर्चण व उद्घाटन सिंह भी स्वयं से भी संबंध थे। विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा द्वारा यांग सिंह ने उनका विश्वविद्यालय में उपचारण पर विद्यार्थियों का अधिकार विश्वविद्यालय में जारी रखा क्योंकि वह अपनी विद्यार्थियों



जैविक खेती को बढ़ावा दें रहा है प्रधानमंत्री प्रोफेसर
 शंकरी राधाराम शंकरी शंकरी विद्यावाचार्य के उत्तराधिकारी प्रोफेसर तथा
 विश्व विद्यालय में राजनीति से एवं ऐसा राजनीति उपलब्ध करने के लिए विश्व
 विद्यालय द्वारा उपलब्ध करने वाली विषय है इस दौरे में विश्वविद्यालय
 के लकड़ागढ़ विद्यालय जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राजनीति जै रहा
 औ उनकी बाधा को दूर करने का लकड़ागढ़ विद्यालय लाने का अंदरे ही राजनीति
 जैविक खेती को बढ़ावा देने के बारे में विश्वविद्यालय विवरण दिया गया है।

इस दिशा में काम करने की ज़रूरत है और किसानों को जागरूक करने के लिए इसे अधिकारी के काम में आवश्यक होगा। इसके लिए अपनाएं उत्तम साधनों को व्यवहार करना चाहिए। इसके लिए प्रोत्तमी को बढ़ावा देना चाहिए। इसके लिए जीवन की खुशी के लिए प्रोत्तमी करनी चाहिए। इसके लिए उत्तम साधनों को व्यवहार करना चाहिए। इसके लिए जीवन की खुशी के लिए उत्तम साधनों को व्यवहार करना चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....संचयन.....

दिनांक २५.१९.२०२० पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

गाय व खेती को बनाएं एक- दूसरे के पूरक : डॉ. कथीरिया

- जहर मुक्त खेती के लिए चलाएं अभियान
- एचएयू के कुलपति व वैज्ञानिकों से रुबरु हुए राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष

हिसार (सच कहूँ न्यूज़)।

वैज्ञानिक गौ माता व कृषि को एक दूसरे का पूरक मानते हुए इसी दिशा में शोध कार्य को बढ़ावा दें। गाय की धार्मिक महत्ता के साथ-साथ उसकी वैज्ञानिक महत्ता को समझना बहुत जरूरी है। इसके लिए किसानों को भी जागरूक किया जाना चाहिए। यह आह्वान राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. बल्लभ भाई कथीरिया ने किया। वे शनिवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को गाय के गोबर के गुणों को लोकर लिखी गई एक पुस्तक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व गाय के गोबर व गौमूत्र से तैयार

अधिकारियों से गौ संरक्षण को लेकर आयोजित बैठक के दौरान बोल रहे थे। इस दौरान हरियाणा गौ सेवा आयोग के चेवरमैन श्री श्रवण गंग व हरियाणा गौ सेवा आयोग के सचिव डॉ. कल्याण सिंह भी साथ में मौजूद थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उनका विश्वविद्यालय में पहुंचने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय में जारी शोध कार्यों व अन्य गतिविधियों से अवगत कराया। डॉ. बल्लभ भाई कथीरिया ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को गाय के गोबर के गुणों को लोकर लिखी गई एक पुस्तक व गाय के गोबर व गौमूत्र से तैयार

उत्पाद भी भेट किए। उन्होंने कहा कि किसानों को जैविक खेती के प्रति जागरूक करने में कृषि विज्ञान केंद्रों का रोल बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह से कहा कि वे ऐसी योजना तैयार करें जिसके माध्यम से विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों पर डोसो यूनिट लगाइ जाएं और गाय को पालते हुए उसके गोबर व गौमूत्र से जैविक उत्पाद व खाद तैयार की जा सके। वहां से किसानों को भी प्रशिक्षण दिया जाए ताकि किसान इस क्षेत्र में भी स्वरोजगार स्थापित करें और आर्थिक रूप से समृद्ध होकर पर्यावरण को भी संरक्षित कर सकें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

सूचना आरक्षित

दिनांक २५.१०.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

कृषि विज्ञान केंद्रों पर भी लगाएं डेमो यूनिट : डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया गाय व खेती को बनाएं एक-दूसरे के पूरक, जहर मुक्त खेती के लिए चलाएं अभियान : डॉ. कथीरिया

एचआर ब्रॉडकॉम न्यूज़

हिसार। वैज्ञानिक गी माता व कृषि को एक दूसरे का पूरा भाने द्वारा उत्थी दिशा में शोध कार्य का बहुत है। गाय की भावितक महान के साथ-साथ उसकी वैज्ञानिक महत्व की समझा बहुत जरूरी है। इसके लिए किसानों को भी जागरूक किया जाना चाहिए। यह अत्याधुनिकोद्योग का प्रारंभ आया है के एटीपी अभियान डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से किया। वे शनिवार को बीमार घर सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्राक्षसन सम्मिलित, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व अधिकारियों से गी सरकार को लेकर आत्मजित बैठक के दोस्रा बोल रहे थे। इस दोस्रा हरियाणा गी सवा आयग के चेयरमैन और ब्रिव गगर व हरियाणा गी सेवा आयग के सचिव डॉ. कल्याण राह भी साथ में औड्जूट थे। विश्वविद्यालय के प्रोफेसर समर निंदे ने उन्नाय विश्वविद्यालय में बहुचरे पर स्थापत किया और विश्वविद्यालय में जारी शोध कार्यों व अन्य



विश्वविद्यालय के कुलपति व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए राष्ट्रीय कामधेनु आयग के राष्ट्रीय अध्यक्ष

देशव्यापी कामधेनु दीपावली अभियान जारी

राष्ट्रीय कामधेनु आयग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने बताया कि उन्होंने देशव्यापी कामधेनु दीपावली अभियान चलाया हुआ है जिसके तहत गाय के गोबर आपारित उत्पाद जैसे बियो, रोली आदि विपार किए गए हैं। इससे एक और गाय पर्यावरण प्रयोग होने से बचेगा यहाँ दूसरी ओर रोपान के अवसर पी बढ़ेंगे। उनका लक्ष गो-पर तक गाय के गोबर व गोमूद के उत्पाद के प्रति लोगों को जागरूक करना है। साथ ही इससे गाय को संखित करने में मदद मिलेगी और गाय के गोबर व गोमूद से गोपाल जीविक खाद्य के उपयोग से किसान व देश आर्थिक रूप से समुद्र हाँग व विदेशों से आगम होने वाले उत्तरकों पर निर्भीत कर मोगी।

जीविक खेती को बढ़ावा दे रहा है एचएच : प्रोफेसर समर निंदे : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर निंदे के कहा कि विश्वविद्यालय में करों और एड्ड में दोन दबाल उत्पाद जीविक खेती उकटाता केंद्र की स्थापना की हुई है। इस केंद्र में किसानों के साथ मिलकर जीविक खेती को बढ़ावा देने के लिए काम किया जा रहा है और इसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। यहाँ से किसान अधिक से अधिक जीविक खेती के बारे में जानकारी हासिल कर रहे हैं।

जरूरत है और किसानों को जागरूक करने के लिए इसे अभियान के रूप में अपनाना होगा। वैज्ञानिक इसे अपना धर्म मानते हुए ज्यादा से ज्यादा किसानों को जीविक खेती के लिए प्रोत्साहित करें। वे इस दिशा में रिसर्च भी इस प्रकार करें और जान करने के लिए इस दिशा में काम करने की उपयोगी, आर्थिक रूप से बहन करने गोपनीय व अधिक रूपायी हों। उन्होंने कहा कि, अपने वाली पौधियों की वर्चने के लिए उन्हें आर्थिक, सामाजिक, सार्वानुसू रूप से समृद्ध बनाने के लिए जीविक खेती के प्रति जागरूक करने के लिए जागरूक है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... ऐनीक मासिक

दिनांक २६.१०.२०२० पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... ५.८

एचएयू और एबिक सेंटर मिलकर ढेंगे एग्री स्टार्टअप्स को बढ़ावा, एमओयू पर हस्ताक्षर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. समर ने कहा- स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा

भारत न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार और इसमें स्थित एग्री बिजेनेस इनवेबेशन सेंटर (एबिक) के बीच एक एमओयू पर साझन हुए हैं। इस एमओयू के तहत अब एचएयू और एबिक सेंटर दोनों साथ मिलकर एग्री स्टार्टअप्स को बढ़ावा देंगे। समझौते पर एचएयू के अधिकारियों व एबिक अधिकारियों ने हस्ताक्षर किए। इस सेंटर को हरियाणा सोसायटी पंजीकरण एक्ट एवं नियम-2012 के तहत पंजीकरण किया गया है।

एमओयू साझन होने के बाद एबिक सेंटर व विवि एक-दूसरे



एमओयू पर साझन करने के दौरान मौजूद कुलपति व एबिक के अधिकारी।

की उपलब्ध सारी सुविधाएं प्रयोग कर सकेंगे। इसी प्रकार विवि की कर सकेंगे। इसके तहत एबिक के कॉर्नफैस हॉल, आइडिया रूम, स्टार्टअप्स के लिए केबिन व निर्माणाधीन प्रयोगशालाओं को एचएयू के चयनित विद्यार्थी, फैकल्टी व एग्री स्टार्टअप्स प्रयोग

कर सकेंगे। इसी सभी सुविधाओं को एबिक सेंटर अपने स्टार्टअप्स व अन्य प्रयोजनों के लिए प्रयोग कर सकेगा। अब उद्यमिता विकास, स्टार्टअप्स समर्थन, नवाचार प्रबंधन, भावी कृषि और सहयोगी स्टार्टअप के

लिए अकादमिक-उद्योग-अनुसंधान अंतर लिंकेज के लिए तकनीकी जानकारी, विशेषज्ञता, ज्ञान, संसाधन और बुनियादी ढांचे को साझा करेंगे। समझौता ज्ञापन में इको सिस्टम स्थापित करने और लैब्स, कम्प्यूटिंग सुविधाएं आदि के प्रयोग की भी अनुमति है।

विश्वविद्यालय के कुलपति व एबिक के अध्यक्ष प्रो. समर सिंह ने कहा कि एबिक सेंटर युवाओं को कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान कर रहा है। इस सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा नौकरी खोजने की बजाय नौकरी देने वाले बन सकते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....झामटुड़ा! ला.....

दिनांक २६.१०.२०२० पृष्ठ संख्या.....२..... कॉलम.....३-७.....

एग्री स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एमओयू साइन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) व एग्री विजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इस समझौते के तहत अब एचएयू व एबिक सेंटर दोनों एक साथ मिलकर एग्री स्टार्टअप को बढ़ावा देंगे। समझौते पर विवि के अधिकारियों व एबिक अधिकारियों ने हस्ताक्षर किए।

इस समझौते के तहत अब एबिक सेंटर व विवि एक-दूसरे की सुविधाओं का उपयोग कर सकेंगे। इसके तहत एबिक के कॉफेंस हॉल, आइडिया रूम, स्टार्टअप के लिए केबिन व निर्माणाधीन प्रयोगशालाओं को एचएयू के चयनित विद्यार्थी, फैकल्टी व एग्री स्टार्टअप का प्रयोग कर सकेंगे। इसी तरह विवि की इसी प्रकार की सभी



एमओयू पर साइन करने के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति व एबिक के अधिकारी।

सुविधाओं को एबिक सेंटर अपने स्टार्टअप व अन्य प्रयोजनों के लिए प्रयोग कर सकेगा। समझौता ज्ञापन में इको सिस्टम स्थापित करने और लैब्स, कंप्यूटिंग सुविधाएं आदि के प्रयोग की भी अनुमति है।

स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा : विश्वविद्यालय के कुलपति व एबिक के अध्यक्ष प्रो. समर सिंह ने कहा कि एबिक सेंटर युवाओं को कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा

एचएयू व एबिक सेंटर दोनों एक दूसरे की सुविधाओं का कर सकेंगे उपयोग

अवसर प्रदान कर रहा है। इस सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा नौकरी खोजने की बजाय नौकरी देने वाले बन सकते हैं।

आत्मनिर्भर बनने की दिशा में निभाएगा अहम भूमिका : एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि चयनित एग्री स्टार्टअप को दो महीने के प्रशिक्षण के दौरान विजनेस व तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य युवा व किसानों के कृषि व कृषि से संबंधित उनमें विद्यमान कौशल व उनके नवाचारों को निखारना है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पैनल नं. ११२०।

दिनांक २६. १०. २०२० पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... २-६

एचएयू और एबिक सेंटर मिलकर देंगे एग्री स्टार्टअप को बढ़ाव

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व इसमें स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के बीच एमओयू हुआ है। इसके तहत एचएयू व एबिक सेंटर मिलकर एग्री स्टार्ट अप को बढ़ावा देंगे। समझौते पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों व एबिक अधिकारियों ने हस्ताक्षर किए। एमओयू साइन होने के बाद एबिक सेंटर व विश्वविद्यालय एक-दूसरे की उपलब्ध सुविधाएं प्रयोग कर सकेंगे। इसके तहत एबिक के कांफ्रेंस हाल, आइडिया रूम, स्टार्ट अप के लिए केबिन व निर्माणाधीन प्रयोगशालाओं को एचएयू के चयनित विद्यार्थी, फैकल्टी व एग्री स्टार्ट अप प्रयोग कर सकेंगे। इसी प्रकार विश्वविद्यालय की इसी प्रकार की सभी सुविधाओं को एबिक सेंटर अपने स्टार्ट अप व अन्य प्रयोजनों के लिए प्रयोग कर सकेगा।

स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा
समझौते के दौरान संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि एबिक सेंटर युवाओं को कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक



एचएयू एबिक के बीच एमओयू पर साझन करने के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति व एबिक के अधिकारी । ० पीआरआ०

नोडल अधिकारी डा. सीमा ने कहा- आत्मनिर्भर बनने की दिशा में निभाएगा अहम भूमिका एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी ने बताया कि वर्यनित एग्री स्टार्ट अप को दो महीने के प्रशिक्षण के दौरान बिजनेस व तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की सभी प्रयोगशालाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई जाती है। उन्होंने बताया कि युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकेजिंग व ब्रॉडिंग करके व्यापार की अपार सम्भावनाएं तलाश सकते हैं। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य युवा व किसानों के कृषि व कृषि से संबंधित उनमें विद्यमान कौशल व उनके नवाचारों को निखारना है।

सुनहरा अवसर प्रदान कर रहा है। इस सेंटर से प्रशिक्षण व विर्तीय सहायता लेकर युवा नौकरी खोजने की बजाय नौकरी देने वाले बन सकते हैं।

उत्तर भारत का एकमात्र केंद्र है एबिक: विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी

ये रहे मौजूद

एमओयू के साझन करते समय विश्वविद्यालय की ओर से कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. आरके झोरड़ व एबिक की ओर से नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी मौजूद थे। इसके अलावा कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डा. एमएस सिंहपुरिया अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरवत मौजूद रहे।

फसल अवशेषों का आधुनिक तकनीकों व मर्शीनों से करें प्रबंधन

जागरण संवाददाता, हिसार : किस फसलों के अवशेषों को जलाने व बजाय उनका आधुनिक तकनीकों मर्शीनों के माध्यम से उचित प्रबंध करें। इससे एक ओर जहां पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है, वहाँ दूसरी ओर जमीन की उर्वशक्ति को बढ़ाने में भी मदद मिलत है। यह आहवान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुड्डा ने किया। वे सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में फसल अवशेष प्रबंधन विषय को लेकर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आहवान किया कि वे खुद के साथ अन्य किसानों को भी इस बारे में जागरूक करें और फसल अवशेष जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में बताएं।

आरके झोरड़ ने बताया कि यह सेंटर विश्वविद्यालय में नाबांड व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रप्तार की सहायता से गत वर्ष स्थापित किया गया है। यह केंद्र उत्तर भारत का पहला केंद्र है, जिसका मुख्य उद्देश्य कृषि व संबंधित क्षेत्र में नए-नए स्टार्ट अप को बढ़ावा देना है। यह इनक्यूबेशन सेंटर अब तक 80 से अधिक कृषि स्टार्ट अप की पहचान कर उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में सहायता कर रहा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... जा.भा.प्रौ.उ.

दिनांक २५/१०/२०२० पृष्ठ संख्या..... १ कॉलम.....

एक दूसरे की सुविधाएं प्रयोग करने के लिए हक्कि व एबिक के बीच एमओयू

हिसार/25 अक्टूबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व इसमें स्थित एग्री विजनेम इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के बीच एग्री स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एक एमओयू पर साइन हुए हैं। इस सेंटर को हरियाणा सोसायटी पंजीकरण एकट एवं नियम 2012 के तहत पंजीकरण किया गया है। एमओयू के माइन होने के बाद एबिक सेंटर व विश्वविद्यालय एक दूसरे की उपलब्ध सारी सुविधाएं प्रयोग कर सकेंगे। इसके तहत एबिक के काँड़ेस हाल, आइडिया रूम, स्टार्टअप्स के लिए केबिन व निर्माणाधीन प्रयोगशालाओं को एचएयू के चयनित विद्यार्थी, फैकल्टी व एग्री स्टार्टअप्स प्रयोग

कर सकेंगे। इसी प्रकार विश्वविद्यालय की इसी प्रकार की सभी सुविधाओं को एबिक सेंटर अपने स्टार्टअप्स व अन्य प्रयोजनों के लिए प्रयोग कर सकेगा। अब उद्यमिता विकास, स्टार्टअप्स समर्थन, नवाचार प्रवर्धन, भावी कृषि और सहयोगी स्टार्टअप के लिए अकादमिक उद्योग अनुसंधान अंतर लिंकेज के लिए तकनीकी जानकारी, विशेषज्ञता, ज्ञान, संसाधन और वृनियादी हाँचे को साझा करेंगे। समझौता जापन में इके सिस्टम स्थापित करने और लैब्स, कम्प्यूटिंग सुविधाएं आदि के प्रयोग की भी अनुमति है। विश्वविद्यालय के कुलपति व एबिक के अध्यक्ष प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि एबिक सेंटर अब तक 80 से अधिक कृषि स्टार्टअप्स की पहचान कर उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में सहायता

में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहारा अवसर प्रदान कर रहा है। इस सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा नौकरी खोजने की बजाय नौकरी देने वाले बन सकते हैं। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अध्यात्मा डॉ. आरके झोरड़ ने बताया कि यह सेंटर विश्वविद्यालय में नवां व राशीय कृषि विकास योजना रफ़तार की सहायता से गत वर्ष स्थापित किया गया है। यह केंद्र उत्तर भारत का पहला केंद्र है जिसका मुख्य उद्देश्य कृषि व संवर्धन क्षेत्र में नए नए स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। यह इनक्यूबेशन सेंटर अब तक 80 से अधिक कृषि स्टार्टअप्स की पहचान कर उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में सहायता कर रहा है। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि चयनित एग्री स्टार्टअप्स को दो महीने के प्रशिक्षण के दौरान विजनेस व तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है व कृषि विश्वविद्यालय की सभी प्रयोगशालाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवायी जाती है। उन्होंने बताया कि युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकिंग व ब्रॉडिंग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य युवा व किसानों के कृषि व कृषि से संवर्धित उन्में विद्यमान कौशल व उनके नवाचारों को निखारना है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... जा.भा. फॉर्म.....

दिनांक २५/१०/२०२० पृष्ठ संख्या..... १ कॉलम.....

एक दूसरे की सुविधाएं प्रयोग करने के लिए हक्कि व एबिक के बीच एमओयू

हिसार/25 अक्टूबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व इसमें स्थित एग्री विजनेम इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के बीच एग्री स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एक एमओयू पर साइन हुए हैं। इस सेंटर को हरियाणा सोसायटी पंजीकरण एकट एवं नियम 2012 के तहत पंजीकरण किया गया है। एमओयू के माइन होने के बाद एबिक सेंटर व विश्वविद्यालय एक दूसरे की उपलब्ध सारी सुविधाएं प्रयोग कर सकेंगे। इसके तहत एबिक के काँड़ेस हाल, आइडिया रूम, स्टार्टअप्स के लिए केबिन व निर्माणाधीन प्रयोगशालाओं को एचएयू के चयनित विद्यार्थी, फैकल्टी व एग्री स्टार्टअप्स प्रयोग

कर सकेंगे। इसी प्रकार विश्वविद्यालय की इसी प्रकार की सभी सुविधाओं को एबिक सेंटर अपने स्टार्टअप्स व अन्य प्रयोजनों के लिए प्रयोग कर सकेगा। अब उद्यमिता विकास, स्टार्टअप्स समर्थन, नवाचार प्रवर्धन, भावी कृषि और सहयोगी स्टार्टअप के लिए अकादमिक उद्योग अनुसंधान अंतर लिंकेज के लिए तकनीकी जानकारी, विशेषज्ञता, ज्ञान, संसाधन और वृनियादी हाँचे को साझा करेंगे। समझौता जापन में इके सिस्टम स्थापित करने और लैब्स, कम्प्यूटिंग सुविधाएं आदि के प्रयोग की भी अनुमति है। विश्वविद्यालय के कुलपति व एबिक के अध्यक्ष प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि एबिक सेंटर अब तक 80 से अधिक कृषि स्टार्टअप्स की पहचान कर उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में सहायता

में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहारा अवसर प्रदान कर रहा है। इस सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा नौकरी खोजने की बजाय नौकरी देने वाले बन सकते हैं। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अध्यात्मा डॉ. आरके झोरड़ ने बताया कि यह सेंटर विश्वविद्यालय में नवां व राशीय कृषि विकास योजना रफ़तार की सहायता से गत वर्ष स्थापित किया गया है। यह केंद्र उत्तर भारत का पहला केंद्र है जिसका मुख्य उद्देश्य कृषि व संवर्धन क्षेत्र में नए नए स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। यह इनक्यूबेशन सेंटर अब तक 80 से अधिक कृषि स्टार्टअप्स की पहचान कर उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में सहायता कर रहा है। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि चयनित एग्री स्टार्टअप्स को दो महीने के प्रशिक्षण के दौरान विजनेस व तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञ द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है व कृषि विश्वविद्यालय की सभी प्रयोगशालाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवायी जाती है। उन्होंने बताया कि युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकिंग व ब्रॉडिंग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य युवा व किसानों के कृषि व कृषि से संवर्धित उन्में विद्यमान कौशल व उनके नवाचारों को निखारना है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

संय कुट्टे

दिनांक २५.१०.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

एचएयू

बीएससी चार वर्षीय कोर्स के लिए हिसार-हांसी के 24 स्कूलों में बनाए गए थे परीक्षा केंद्र

एचएयू में 6143 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

सच कहूँ/संदीप सिंहमार
हिसार।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कूलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिद्यायतों का पालन करते हुए किया गया। प्रवेश परीक्षा के लिए करीब 12018 परीक्षार्थियों ने 35 नलाइन माध्यम से आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र



“विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह कूलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने परीक्षा केंद्रों का दैरा बढ़ावा व परीक्षा संबंधी सभी देवारों का जायजा लिया। कृषि महाविद्यालय के अध्यात्म डॉ.एस.के. सहायत से बताया कि विश्वविद्यालय बी और से बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए वह प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। उन्होंने उमटवरों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे इन परीक्षाओं के परिणाम व दाखिला संबंधी नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट admissions.hau.ac.in and hau.ac.in पर चेक करते रहें।

बनाए गए, ताकि परीक्षार्थियों को से बाहर के करीब 1500 किलो प्रकाश की समस्या का समाप्त कर्मचारियों को इम्प्रिट्यो लागाई गई थी। प्रवेश परीक्षा से एक दिन पहले ही सभी परीक्षा केंद्रों को सेनेटाइज़ दूरी का भी विशेष ध्यान रखते हुए उन्होंने बताया कि सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की व्यवस्था की गई थी। परीक्षा की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर ताथ सेनेटाइज़ करवाने के

बाद ही परीक्षा घर्वन में प्रवेश करने की अनुमति दी गई और उन्हें मास्क पी मुहैया करवाए गए। सामाजिक दूरी का भी विशेष ध्यान रखते हुए उसी अनुचार परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर एक बजे चली।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाठ्यक्रम

दिनांक २५.१०.२०२० पृष्ठ संख्या.....— कॉलम.....—

एचएयू व एबिक सेंटर एक साथ मिलकर देंगे एग्री स्टार्टअप्स को बढ़ावा

पाठ्यक्रम न्यूज

हिसार, 25 अक्टूबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व इसमें स्थित एग्री विजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के बीच एक एमओयू पर साइन हुए हैं। इस एमओयू के तहत अब एचएयू व एबिक सेंटर दोनों एक साथ मिलकर एग्री स्टार्टअप्स को बढ़ावा देंगे। समझौते पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों व एबिक अधिकारियों ने हस्ताक्षर किए। इस सेंटर को हरियाणा सोसायटी पंजीकरण एक्ट एवं नियम-2012 के तहत पंजीकरण किया गया है। एमओयू के साइन होने के बाद एबिक सेंटर व विश्वविद्यालय एक-दूसरे की उपलब्ध सभी सुविधाएं प्रयोग कर सकेंगे। इसके तहत एबिक के कांफेस हाल, आइडिया रूम, स्टार्टअप्स के लिए केबिन व निर्माणाधीन प्रयोगशालाओं को एचएयू के चयनित विद्यार्थी, फेकलटी व एग्री स्टार्टअप्स प्रयोग कर सकेंगे। इसी प्रकार विश्वविद्यालय की इसी प्रकार की सभी सुविधाओं को एबिक सेंटर अपने स्टार्टअप्स व अन्य प्रयोजनों के लिए प्रयोग कर सकेगा। अब



उद्यमिता विकास, स्टार्टअप्स समर्थन, नवाचार प्रबंधन, भावी कृषि और सहयोगी स्टार्टअप के लिए अकादमिक-उद्योग-अनुसंधान अंतर लिंकेज के लिए तकनीकी जानकारी, विशेषज्ञता, ज्ञान, संसाधन और बुनियादी ढांचे को संज्ञा करेंगे। समझौता जापन में इको सिस्टम स्थापित करने और लैब्स, कम्प्यूटिंग सुविधाएं आदि के प्रयोग की, भी अनुमति है। समझौते के दौरान संवर्धित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति व एबिक के अध्यक्ष प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि एबिक सेंटर युवाओं को कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान कर रहा है। इस सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा नौकरी खोजने की बाजार नौकरी देने वाले बन सकते हैं। विश्वविद्यालय के कृषि

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. झोरड़ ने बताया कि यह सेंटर विश्वविद्यालय में नावार्ड व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफतार की सहायता से गत वर्ष स्थापित किया गया है। यह केंद्र उत्तर भारत का पहला केंद्र है जिसका मुख्य उद्देश्य कृषि व संवर्धित क्षेत्र में नए-एनए स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। यह इनक्यूबेशन सेंटर अब तक 80 से अधिक कृषि स्टार्टअप्स की पहचान कर उठें अपना व्यवसाय बढ़ाने में सहायता कर रहा है। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि चयनित एग्री स्टार्ट-अप्स को दो महीने के प्रशिक्षण के दौरान विजनेस व तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है व चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की सभी

प्रयोगशालाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवायी जाती है। उन्होंने बताया कि युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकिंग व ब्रांडिंग करके व्यापार व अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य युवा व किसानों के कृषि व कृषि से संवर्धित उनमें विद्यमान कौशल व उनके नवाचारों को निखारना है। एमओयू के साइन करते समय विश्वविद्यालय की ओर से कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. झोरड़ व एबिक की ओर से नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी मौजूद थे। इसके अलावा कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिंहपुरिया अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

द्विनात् ३१२१२०१

समाचार पत्र का नाम.

दिनांक २५-१०-२०२० पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... ३-५

शिक्षा

हिसार व हांसी के 24 स्कूलों में बनाए परीक्षा केंद्र, 1500 कर्मचारी कराएंगे प्रवेश परीक्षा

एचएयू में प्रवेश परीक्षा आज, तैयारियां पूरी

जागरण संवाददाता, हिसार :
 चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
 विश्वविद्यालय के बीएससी
 एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय
 कोर्स के लिए 24 अक्टूबर को
 आयोजित की जाने वाली प्रवेश
 परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी
 हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा.
 बीआर कंबोज ने बताया कि बीएससी
 एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय
 कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन
 कोरोना महामारी के चलते केंद्र व
 राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का
 पालन करते हुए किया जा रहा है।
 इस परीक्षा के लिए करीब 12000
 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे।

उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। उन्होंने बताया कि परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों को अंतिम रूप



1500 कर्मचारियों के कंधे पर होगी जिम्मेदारी परीक्षा नियंत्रक डा . एसके पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए करीब 12000 विद्यार्थियों ने ३०८ लाइन आवेदन किया था, जिसमें से 11692 ने बीएससी एप्रीकल्चर और करीब 500 ने बीएससी मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन किया था । उन्होंने बताया कि इन प्रवेश परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय व विश्वविद्यालय से बाहर के करीब 1500 कर्मचारियों की ड्यूटीयां लगाई गई हैं । इनमें से कुछ कर्मचारियों की परीक्षा केंद्र की व्यवस्था का जायजा लेने की ड्यूटी लगाई गई थी, जिन्होंने परीक्षा से एक दिन पूर्व ही परीक्षा भवन का दौरा कर सभी प्रकार की व्यवस्था का जायजा लिया ।

देते हुए परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए बैठने की व्यवस्था, सैनिटाइजेशन व अन्य सुविधाओं को पूरा कर लिया गया है।

उन्होंने बताया कि सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सैनिटाइज करवाने के

बाद ही परीक्षा भवन में प्रवेश करने की अनुमति होगी। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर एक बजे तक चलेगी।

इन शिक्षण संस्थानों को बनाया परीक्षा केंद्र हिसार व हांसी के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, कैप्पस स्कूल, ठाकुर दास भार्गव वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गुरु जग्भेश्वर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ब्लूमिंग डेल्सी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सीआर पब्लिक स्कूल, विद्या भारती पब्लिक स्कूल, सिद्धार्थ इंटरनेशनल स्कूल, विश्वास वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, न्यू यशोदा पब्लिक स्कूल, डीएची पुलिस पब्लिक स्कूल, सी.आर. लॉ कॉलेज, सेंट कबीर स्कूल, ओम स्टिरलिंग यूनिवर्सिटी, एफ.डी. महिला महाविद्यालय के अलावा हांसी क्षेत्र के श्री काली देवी विद्या मंदिर स्कूल, हांसी, आरपीएस गढ़ी (हांसी), श्री कृष्ण प्रणामी स्कूल हांसी, हिंदू वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हांसी, यदुवंशी स्कूल व बाबा बंदा बहादुर पब्लिक स्कूल शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... उजाला.....
दिनांक २५-१०-२०२० पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... ३-५

एचएयू में प्रवेश परीक्षा आज 12 हजार परीक्षार्थी होंगे शामिल

हिसार व हांसी में 24 केंद्रों पर सुबह 10:30 से दोपहर एक बजे तक होगी परीक्षा

अमर उजाला ब्यूरो



हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए शनिवार को आयोजित की जाने वाली प्रवेश परीक्षा की सभी तयारियां पूरी हो चुकी हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि इस परीक्षा के लिए करीब 12 हजार परीक्षार्थी परीक्षा देंगे।

प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए बैठने की व्यवस्था, सैनिटाइजेशन व अन्य सुविधाओं को पूरा कर लिया गया है। सभी परीक्षार्थियों के हाथ सैनिटाइज करवाने के बाद ही परीक्षा भवन में प्रवेश करने की

अनुमति होगी। साथ ही केंद्रों पर परीक्षार्थियों को मास्क भी मुहैया करवाए जाएंगे। परीक्षा सुबह 10 बजे कर 30 मिनट से दोपहर एक बजे तक चलेगी।

1500 कर्मचारियों को जिम्मेदारी : परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए करीब 12000 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 11692 ने बीएससी एग्रीकल्चर और करीब 500 ने बीएससी मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन किया है। परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय व विश्वविद्यालय से बाहर के करीब 1500 कर्मचारियों की ड्यूटीयां लगाई गई हैं।

यहां बनाए गए हैं परीक्षा केंद्र : परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि हिसार व

हांसी के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि अधियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, कैपस स्कूल, ठाकुर दास भार्गव वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गुरु जंभेश्वर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ब्लूमिंग डेल्स वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सीआर पब्लिक स्कूल, विद्या भारती पब्लिक स्कूल, सिद्धार्थ इंटरनेशनल स्कूल, विश्वास वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, न्यू यशोदा पब्लिक स्कूल, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, सीआर लॉ कॉलेज, सेंट कबीर स्कूल, ओम स्टर्लिंग यूनिवर्सिटी, एफसी महिला महाविद्यालय के अलावा हांसी क्षेत्र के श्री काली देवी विद्या मंदिर स्कूल, हांसी, आरपीएस गढ़ी (हांसी), श्री कृष्ण प्रणामी स्कूल हांसी, हिंदू वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हांसी, यदुवंशी स्कूल व बाबा बंदा बहादुर पब्लिक स्कूल शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

उजाला

दिनांक २५.१०.२०२० पृष्ठ संख्या..... ४ कॉलम..... ५-६

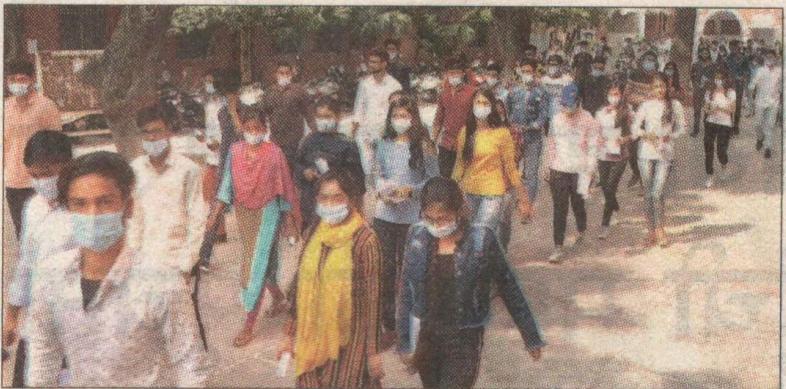
एचएयूः 6143 परीक्षार्थियों ने दी बीएससी की प्रवेश परीक्षा

5875 प्रतिशत परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित, 24 स्कूलों में बनाए गए थे केंद्र

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रवेश परीक्षा के लिए करीब 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। परीक्षा को लेकर हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

परीक्षा का समय सुबह साढ़े बजे का था। परीक्षार्थी एक घंटे पहले ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंचना शुरू हो गए। कोरोना के चलते ज्यादातर परीक्षार्थी निजी वाहनों से ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे। परीक्षा केंद्रों में दाखिल होने से पहले सभी परीक्षार्थियों के हाथों को सैनिटाइज कराया गया और साथ ही उन्हें मास्क भी उपलब्ध कराए गए। परीक्षा केंद्रों में सामाजिक दूरी का ध्यान रखते हुए उनके बैठने की व्यवस्था की गई थी। परीक्षा दोपहर एक बजे तक चली।



परीक्षा के खत्म होने के बाद एफसी कॉलेज में बने केंद्र के बाहर निकलते परीक्षार्थी। संवाद

कुलपति व कुलसचिव ने किया निरीक्षण : विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया व परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों का जायजा लिया।

हाथ में बंधे धागे भी उत्तरवाएँ : परीक्षा के दौरान काफी सख्ती देखने को मिली। इस दौरान परीक्षा केंद्र में दाखिल होने से पहले परीक्षार्थियों के हाथों में बंधे

हुए धागे भी उतार लिए गए। हालांकि इस दौरान कुछ परीक्षार्थियों ने इस पर आपत्ति जताई, लेकिन सख्ती के कारण उन्हें इस नियम को मानना ही पड़ा।

शहर में रही जाम की स्थिति : परीक्षा खत्म होने पर जैसे ही परीक्षार्थी अपने घरों की तरफ लौटने लगे तो शहर में कई जगहों पर जाम की स्थिति पैदा हो गई। इस कारण लोगों को थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक हिमालय, दैनिक भारत.....
दिनांक २५.१०.२०२३.....पृष्ठ संख्या ५, ७.....कॉलम ३, ६.....

बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य कोर्स के लिए हुई प्रवेश परीक्षा

हिसार, 24 अक्टूबर (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएचएयू) के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में कोरोना के चलते आधे छात्र ही पहुंचे। जबकि हक्किप्रशासन ने 12,018 परीक्षार्थियों को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था की थी। कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए 12,018 ने ऑनलाइन आवेदन किया था, लेकिन प्रवेश परीक्षा में सिर्फ 6,143 छात्र शामिल हुए। प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

एचएयू में प्रवेश पाने को 6143 ने दी परीक्षा

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया। प्रवेश परीक्षा के लिए करीब 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार व हांसी क्षेत्र के 24



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २६. १०. २०२० पृष्ठ संख्या ३, २ कॉलम ५, १-२

फसल अवशेषों का तकनीकों और मशीनों से करें प्रबंधन : डॉ. आरएस

हिसार | किसान फसल अवशेषों को जलाने की बजाय उनका आधुनिक तकनीकों व मशीनों से उचित प्रबंधन करें। इससे एक तरफ जहां पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है, दूसरी तरफ जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में मदद मिलती है। यह आह्वान एचएयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने किया। वे सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'फसल अवशेष प्रबंधन' विषय को लेकर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे न केवल स्वयं बल्कि अन्य किसानों को भी इस बारे में जागरूक करें और फसल अवशेष जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में बताएं।

फसल अवशेषों का करें उचित प्रबंधन : डॉ. हुड्डा

हिसार। किसान फसलों के अवशेषों को जलाने की बजाय उनका आधुनिक तकनीकों व मशीनों के माध्यम से उचित प्रबंधन करें। इससे एक ओर जहां पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है, वर्हाँ दूसरी ओर जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में भी मदद मिलती है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने कही।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

२०२१ क. ३१०१२०

नमाचार पत्र का नाम.....
देनांक २५. १०. २०२० पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... ५-५

एचएयू में 6143 परीक्षार्थियों ने दी बीएससी के लिए प्रवेश परीक्षा

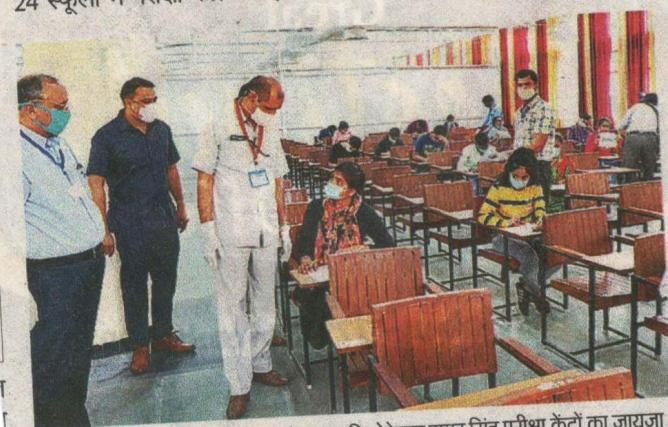
जागरण संवाददाता, हिसार
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय के बीएससी
एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय
कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा
में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि
5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा.
बीआर कंबोज ने बताया कि बीएससी
एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय
कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन
कोरोना महामारी के चलते केंद्र व
राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों
का पालन करते हुए किया गया।
प्रवेश परीक्षा के लिए कीब 12018
परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से
आवेदन किया था।

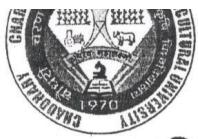
उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं
के लिए हिसार और हांसी क्षेत्र के
24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए,

विश्वविद्यालय के कुलपति व
कुलसचिव ने किया निरीक्षण
विश्वविद्यालय के कुलपति
प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव
डा. बीआर कंबोज ने परीक्षा
केंद्रों का दैरा किया व परीक्षा
संबंधी सभी तैयारियों का जायजा
लिया। कृषि महाविद्यालय के
अधिष्ठाता डा. एसके सहरावत
ने बताया कि विश्वविद्यालय की
और से बीएससी एग्रीकल्चर व
मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए
यह प्रवेश परीक्षा आयोजित की
गई थी।

ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की
समस्या का सामना न करना पड़े।
परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट
से दोपहर एक बजे चली।



प्रवेश परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह परीक्षा केंद्रों का जायजा
लेते हुए। कोरोना से बचाव के सभी नियमों का पालन किया गया। ● पीआरओ



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

प्रेसीडेंसी भाइकु

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २५.१०.२०२० पृष्ठ संख्या..... ३ कॉलम..... ३-६

एचएयू में बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स में प्रवेश के लिए परीक्षा आज से 24 स्कूलों में बनाए केंद्रों पर 12 हजार स्टूडेंट्स परीक्षा देंगे, 1500 कर्मचारी संभालेंगे जिम्मेदारी

भारत न्यूज़ | हिसार

एचएयू के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए 24 अक्टूबर को होने वाली प्रवेश परीक्षा की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। एचएयू के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए 12 हजार परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। कोरोना के चलते जारी हिदायतों का

जानिए... किन स्कूलों में बनाए गए हैं सेंटर्स

प्रवेश परीक्षा के लिए हिसार व हांसी के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें विवि के कृषि कॉलेज, गृह विज्ञान कॉलेज, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, कैपस स्कूल, ठाकुर दास भागव विद्यालय, गुरु जंभेश्वर विद्यालय, ब्लूमिंग डेल्स विद्यालय, सीआर स्कूल, विद्या भारती स्कूल, सिद्धार्थ इंटरनेशनल स्कूल, विश्वास विद्यालय, न्यू यशादा पब्लिक स्कूल, डीएची पुलिस पब्लिक स्कूल आदि सेंटर्स बने हैं।

भी सही तरीके से पालन किया जाएगा। अन्य सुविधाओं को पूरा किया गया है। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए हाथ सेनेटाइज़ करवाने के बाद ही परीक्षा बैठने की व्यवस्था, सेनेटाइज़ेशन व भवन में प्रवेश करने की अनुमति होगी।

परीक्षार्थियों को मास्क भी मुहैया करवाए जाएंगे। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर एक बजे तक चलेगी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए करीब 12000 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 11692 ने बीएससी एग्रीकल्चर और करीब 500 ने बीएससी मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन किया था। परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए 1500 कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

दूरभाष

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २४. १०. २०२० पृष्ठ संख्या..... ३ कॉलम..... ७-८

एचएयू में प्रवेश परीक्षा आज, तैयारियां पूरी करीब 12,000 परीक्षार्थी देंगे पेपर

■ 1500 कर्मचारियों पर परीक्षा को
शांतिपूर्वक कराने की जिम्मेदारी

हरिगूँगा न्यूज || हिसार



डॉ. बीआर कंबोज
कुलसचिव

■ हिसार और
हांसी के 24
स्कूलों में
बनाए गए
परीक्षा केंद्र

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए 24 अक्टूबर को आयोजित की जाने वाली प्रवेश परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है। इस परीक्षा के लिए करीब 12000

परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए परीक्षा केंद्रों पर बैठने की व्यवस्था की गई है जबकि परीक्षा को शांति पूर्वक कराने को 1500 कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पंजाब के सरी

दिनांक २५-१०-२०२० पृष्ठ संख्या.....२ कॉलम.....८

एथ.ए.यू. में प्रवेश परीक्षा आज, तैयारियां पूरी

■ हिसार व हांसी के 24 स्कूलों में बनाए गए परीक्षा केंद्र

हिसार, 23 अक्टूबर (ब्यूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बी.एस.सी. एग्रीकल्चर व मत्स्य के 4 वर्षीय कोर्स के लिए 24 अक्टूबर को आयोजित की जाने वाली प्रवेश परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बी.एस.सी. एग्रीकल्चर व मत्स्य के 4 वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए करीब 12000 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके।

उन्होंने बताया कि परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए बैठने की

व्यवस्था, सैनिटाइजेशन व अन्य सुविधाओं को पूरा कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सैनिटाइज करवाने के बाद ही परीक्षा भवन में प्रवेश करने की अनुमति होगी। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों को मास्क भी मुहैया करवाए जाएंगे। परीक्षा सुबह 10.30 से दोपहर एक बजे तक चलेगी।

1500 कर्मचारियों के कंधे पर होगी जिम्मेदारी : परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए करीब 12000 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 11692 ने बी.एस.सी. एग्रीकल्चर और करीब 500 ने बी.एस.सी. मत्स्य के 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि इन प्रवेश परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय व बाहर के करीब 1500 कर्मचारियों की द्यूटी लगाई गई हैं। इनमें से कुछ कर्मचारियों की परीक्षा केंद्र की व्यवस्था का जायजा लेने की द्यूटी लगाई गई थी, जिन्होंने परीक्षा से एक दिन पूर्व ही

परीक्षा भवन का दौरा कर सभी प्रकार की व्यवस्था का जायजा लिया।

उन्होंने बताया कि हिसार व हांसी के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि उन्नयन विद्यालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, कैपस स्कूल, ठाकुर दास भार्गव वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गुरु जंभेश्वर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ब्लूमिंग डेल्स वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सी.आर. पब्लिक स्कूल, विद्या भारती पब्लिक स्कूल, सिन्धार्थ इंटरनैशनल स्कूल, विश्वास वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, न्यू यशोदा पब्लिक स्कूल, डी.ए.वी. पुलिस पब्लिक स्कूल, सी.आर. लॉकलैज, सेंट कबीर स्कूल, ओम स्ट्रिप्लिंग यूनिवर्सिटी, एफ.सी. महिला महाविद्यालय के अलावा हांसी क्षेत्र के श्री काली देवी विद्यामंदिर स्कूल, हांसी, आर.पी.एस. गढ़ी (हांसी), श्रीकृष्ण प्रणामी स्कूल हांसी, हिंदू वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हांसी, मदुवशी स्कूल व बाबा जादा बहादुर पब्लिक स्कूल शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पंजाब कैसरी

दिनांक २५.१०.२०२० पृष्ठ संख्या.....२ कॉलम.....३-६

एच.ए.यू. में 6143 ने दी बी.एससी. 4 वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षा



परीक्षा में बैठे परीक्षार्थी।

■ हिसार व हांसी के 24 स्कूलों ने बनाए गए ये परीक्षा केंद्र

हिसार, 24 अक्टूबर (ब्यूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बी.एससी. एग्रीकल्चर व मत्स्य के 4 वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 5875 अनुपस्थित रहे। इतनी



प्रवेश परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते हुए।

संख्या में परीक्षार्थियों का परीक्षा के लिए न आना कोरोना महामारी कारण बताया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बी.एस.सी. एग्रीकल्चर व मत्स्य के 4 वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए

कुलपति व कुलसचिव ने किया निरीक्षण

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया व एकीकृती यांत्री तैयारियों का जायजा लिया। कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. प्यू.के. सहरावत ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बी.एससी. एग्रीकल्चर व मत्स्य के 4 वर्षीय कोर्स के लिए यह प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

खंच आर बे मिड़ियां

दिनांक २५.१०.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

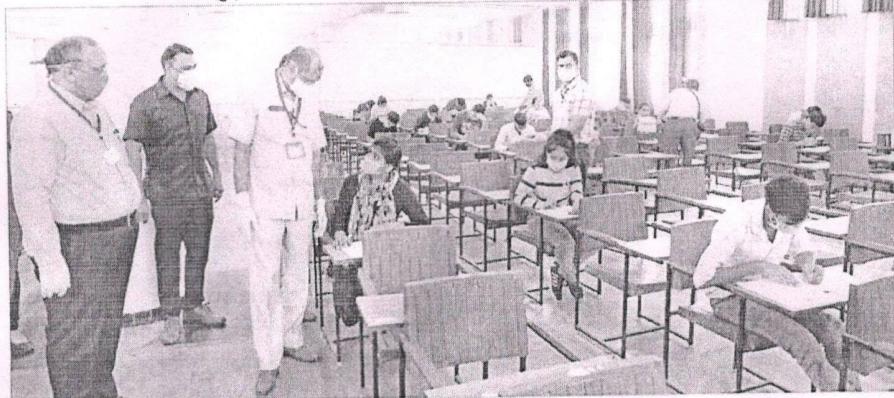
एचएयू में 6143 परीक्षार्थियों ने दी बीएससी चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षा

हिसार व हांसी के 24 स्कूलों में बनाए गए थे परीक्षा केंद्र

एचआर ब्रेकिंग न्यूज़

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपर्याप्त रहे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. वी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया। प्रवेश परीक्षा के लिए करीब 12018 परीक्षार्थियों ने अनिलाइन माध्यम से आवेदन किया था।

उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। उन्होंने बताया कि इन प्रवेश परीक्षाओं के सफल अयोजन के लिए विश्वविद्यालय व विश्वविद्यालय से बाहर के करीब 1500 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। प्रवेश परीक्षा से एक दिन पहले ही सभी परीक्षा केंद्रों को सेनेटाइज कराया गया था। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर



प्रवेश परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते हुए व परीक्षा में बैठे परीक्षार्थी।

यां-यां बनाए गए थे परीक्षा केंद्र : परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 12018 विद्यार्थियों ने अनिलाइन क्षमा में बीएससी एग्रीकल्चर और बीएससी मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि हिसार व हांसी के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जिनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय, कृषि अधियाविकों पाल श्रीगंगामीको महाविद्यालय, महिनक विज्ञन एवं मानविकी महाविद्यालय, कैपस स्कूल, डाक्टर दास भाषाव वरिष्ठ माध्यमिक विश्वालय, गुरु जंगेश्वर वरिष्ठ माध्यमिक विश्वालय, बृन्दावन इंस्टीट्यूट वरिष्ठ माध्यमिक विश्वालय, न्यू यशोदा पाइक्क क्लूल, डाए.वी. पूनिम पर्लिक्क स्कूल, सी.आर. लॉ कॉलेज, सेंट क्वीन स्कूल, ओम स्टार्टलैंग यूनिवर्सिटी, एफ.सी. महिना महाविद्यालय के अलावा हांसी क्षेत्र के श्री कालों देवी विद्या मंदिर स्कूल, हांसी, आपोएम गढ़ी (हांसी), श्री कृष्ण प्रणामी स्कूल हांसी, हिंदू वरिष्ठ माध्यमिक विश्वालय हांसी, यदुवेशी स्कूल व बाबा बद्रा बहादुर पर्लिक्क स्कूल सामिल हैं।

से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर ताथ येनेटाइज कराने के बाद ही परीक्षा भवन में प्रवेश करने की अनुमति दी गई और उन्हें भास्क भी मुहैय करवाए गए। सामाजिक दूरी का भी विशेष ध्यान रखते हुए उसी अनुसार परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। परीक्षा

सुवह 10 बजाकर 30 मिनट से दोपहर एक बजे चली। कृषि महाविद्यालय के कृष्णानन्दा डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए यह प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी।

परीक्षा संबंधी सभी टैमारियों का जायजा निया। कृषि महाविद्यालय के अधिनायक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए यह प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... १७८ अ। २ ब। ५३।

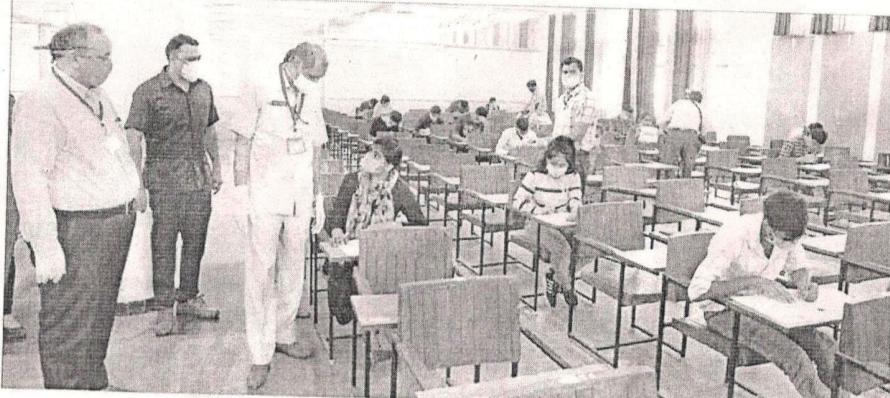
दिनांक २५. १०. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

एचएयू में ६१४३ परीक्षार्थियों ने दी बीएससी चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षा हिसार व हांसी के २४ स्कूलों में बनाए गए थे परीक्षा केंद्र

एचआर ब्रेकिंग न्यूज़

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में ६१४३ परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि ५८७५ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. वी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया। प्रवेश परीक्षा के लिए करीब १२०१८ परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था।

उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार व हांसी केंद्र के २४ स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। उन्होंने बताया कि इन प्रवेश परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय व विश्वविद्यालय से बाहर के करीब १५०० कर्मचारियों की ड्यूटीयां लगाई गई थीं। प्रवेश परीक्षा से एक दिन पहले ही सभी परीक्षा केंद्रों को सेनेटाइज कराया गया था। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर



प्रवेश परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते हुए व परीक्षा में बैठे परीक्षार्थी।

यहां-यहां बनाए गए थे परीक्षा केंद्र : परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए १२०१८ विद्यार्थियों ने अनियन्त्रित रूप से बीएससी एग्रीकल्चर और बीएससी मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि हिसार व हांसी के २४ स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जिनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय, गहु विज्ञान महाविद्यालय, कृषि अधियायिकों एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, टैक्सन स्कूल, ठाकुर दास भागव वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गू. जमेश्वर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, व्यापारिंग डेल्स वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, विश्वविद्यालय, बी.ए.यॉ. पुलिस पब्लिक स्कूल, सौ.आर. लौ कालिङ, सेंट कॉर्नेल स्कूल, ओम स्टिरलिंग यूनिवर्सिटी, एफ.सी. महिला महाविद्यालय के अलावा हांसी क्षेत्र के श्री काली देवी विद्या मंदिर स्कूल, हांसी, आरपीएस गढ़ी(हांसी), श्री कृष्ण प्रणामी स्कूल हांसी, हिंदू वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हांसी, यदुवंशी स्कूल व बाबा बहादुर पब्लिक स्कूल शामिल हैं।

से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सुबह १० बजकर ३० मिनट से दोपहर एक बजे चली। भवन में प्रवेश करने की अनुमति दी गई और उन्हें मार्क भी मुहैया करवाए गए। सामाजिक दूरी का भी विशेष ध्यान रखते हुए उसी अनुसार परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों का जायजा लिया। कृषि महाविद्यालय के अधिदाता डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए यह प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पटा.....पटा.....

दिनांक २५.१०.२०२० पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

एथएयू में 6143 परीक्षार्थियों ने दी बीएससी चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षा

पल पल न्यूज़: हिसार, 24 अक्टूबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन करेना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया। प्रवेश परीक्षा के लिए करीब 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए, ताकि परीक्षार्थियों को



किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। उन्होंने बताया कि इन प्रवेश परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय व विश्वविद्यालय से बाहर के करीब 1500 कर्मचारियों की द्यूटियां लगाई गई थीं। प्रवेश परीक्षा से एक दिन पहले ही सभी परीक्षा केंद्रों को सेनेटाइज़ कराया गया था। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा

केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सेनेटाइज़ करवाने के बाद ही परीक्षा भवन में प्रवेश करने की अनुमति दी गई और उन्हें मास्क भी मुहैया करवाए गए। सामाजिक दूरी का भी विशेष ध्यान रखते हुए उसी अनुसार परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर एक बजे चली। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया व परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों का जायजा लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....जनभेद आगे

दिनांक ५.१.२०२० पृष्ठ संख्या ← कॉलम.....

एवजाइं

हिसार व हांसी के 24 स्कूलों में बनाए गए परीक्षा केंद्र

एचएयू में 6143 परीक्षार्थियों ने दी बीएससी के लिए प्रवेश परीक्षा

अग्रमार्ग न्यूज़

हिसार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छायाचार्य कामें के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुमति नहीं रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. श्री आर. कांवोज ने बताया कि बीएससी एसीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते कटू व राजा मरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया। प्रवेश परीक्षा के लिए करीब

12018 परीक्षार्थियों ने अनेटाइन मार्गमार्ग में अवेंटन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के माफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय व विश्वविद्यालय में बाहर के करीब 1500 कर्मचारियों की दृश्यटिक्या लगाई गई



प्रवेश परीक्षा के लिए बैठते छात्रों को सक्रियता दी जाए और उपर्युक्त कार्यक्रम का नियमन किया जाएगा।

परीक्षार्थियों का किसी प्रकार की मापदण्ड का भावना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके।

उन्होंने बताया कि इन प्रवेश परीक्षाओं के माफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय व विश्वविद्यालय में बाहर के करीब 1500

कर्मचारियों की दृश्यटिक्या लगाई गई थी। प्रवेश परीक्षा केंद्रों को मेनेटाइन करना यथा। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ मेनेटाइन करवाने के बाद ही परीक्षा भवन में प्रवेश करने की अनुमति दी गई और उन्हें मास्क भी मुहैया करवाए गए। मार्गमार्ग दूरी का भी विसंग प्रयान रखते हुए

उसी अनुमति परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। परीक्षा मुहर 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर एक बजे चली।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मधुर सिंह व कुलमन्त्रिय डॉ. श्री आर. कांवोज ने परीक्षा केंद्रों का दैरा किया व परीक्षा मंबाजी मधी तैयारियों का जायजा लिया। कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एम. के. महराजत ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एसीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए यह प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। उन्होंने उम्मदवारों व उनके अभिभावकों से अधीन की है कि वे इन परीक्षाओं के परिणाम व दायित्व मंबाजी नीनलम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की बेमाइ पर चेक करते हों।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

२०११ क्र. ज्ञा. १२०

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २५. १०. २०२० पृष्ठ संख्या ५ कॉलम २. ३

एचएयू के गृह विज्ञान कॉलेज में मास्क मेकिंग प्रतियोगिता

जागरण संवाददाता, हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय में शुक्रवार को क्रिएटिव मास्क प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों ने सुबह से ही मास्क की डिजायन ऑनलाइन डालनी शुरू कर दी है। इसके साथ ही प्रतियोगिता का आयोजन पारिवारिक संसाधन विभाग के तहत इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य है कि क्रिएटिव मास्क सामने आएं, जिससे लोगों को इसी प्रकार के अच्छे मास्क उपलब्ध कराएं जा सकें। एचएयू बड़े स्तर पर इस कार्यक्रम को आयोजित कर रही है।

मास्क पहनना अनिवार्य : विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू मेहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन व देखरेख में होगा। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के चलते मास्क पहनना अनिवार्य है ताकि वायरस का संक्रमण न फैल सके। कार्यक्रम की

वीडियो भी बनवाया

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागी को अपनी मास्क बनाते हुए की 10 से 15 सेकंड का वीडियो और मास्क की फोटो विभाग की ई-मेल आईडी पर शाम पांच बजे तक भेजेंगे। देर शाम प्रतियोगिता के विजेताओं को मेरिट स्टाफीकेट जर्बक प्रतिभागियों को ई-स्टाफीकेट दिए जाएंगे। इस प्रतियोगिता को लेकर एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं युवाओं को समाज के प्रति कुछ करने की भावना प्रकट करती है। एचएयू हमेशा से ही इस प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित करता रहा है। यहले जहां बाजरे के बिरिकट व अन्य प्रोडक्ट तैयार कर लोगों को नई दिशा दिखाई अब मास्क को आकर्षक बनाया जा रहा है।

संयोजक प्रो. किरण सिंह ने बताया कि कोरोना काल में जहां मास्क लगाना अनिवार्य है, तो ऐसे में हर कोई स्टाइलिश, आकर्षक, बढ़िया, आरामदायक व सुरक्षात्मक मास्क पहनने की तम्मना रखता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....भौज का भारक
दिनांक २५-१०-२०२० पृष्ठ संख्या.....।.....कॉलम.....।-२.....

दिन का तापमान सामान्य से २ डिग्री अधिक रहा, रातें ठंडी

भास्कर न्यूज | हिसार

शहर में दिन में सामान्य से २ डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान दर्ज किया गया है। सिटी का शुक्रवार को अधिकतम तापमान ३४.८ सेल्सियस दर्ज किया गया। रात का तापमान सामान्य १२.८ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जोकि सामान्य से ४ डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। प्रदेश में २९ अक्टूबर तक मौसम आमतौर

पुर्वनुमान

प्रदेश में २९ अक्टूबर तक मौसम रहेगा परिवर्तनशील, २५ और २६ को हल्की

की बादलवाई रहेगी

पर एक्टिवर्टनशील परंतु खुशक रहने की संभावना है। इसके अलावा क्षेत्र में कहीं-कहीं २५ अक्टूबर रात्रि व २६ अक्टूबर को हल्की बादलवाई छाई रहेगी। इस दौरान बीच-बीच में हवाएं चलने से तापमान में हल्की गिरावट संभव है।

मौसम पर आधारित कृषि सलाह देते हुए डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि किसान सरसों की बिजाई जल्दी पूरी कर लें। देशी चने की बिजाई के लिए खेत को अच्छी तरह से तैयार करें तथा उन्नत किस्मों के साथ बिजाई शुरू करें। उन्होंने बताया कि देसी चने की उन्नत किस्मों बिरानी व सिंचित क्षेत्रों के लिए एचसी १ तथा सिंचित क्षेत्रों के लिए एचसी ३ (मोटे दाने वाली किस्म) व एचसी ५ किस्मों का प्रयोग करें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... उमा उजाला.....

दिनांक ५.७.२०२० पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... ५-५.....

रात का तापमान 12.8 डिग्री वायु गुणवत्ता सूचकांक 342 पर

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। मौसम में परिवर्तन जारी है। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है और 12.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। तीन दिन बाद रात्रि तापमान 13 डिग्री से नीचे आया है। तापमान में गिरावट के साथ रात के समय ठंड की दस्तक बढ़ने लगी है। दूसरी तरफ, शुक्रवार को जिले में एक भी जगह पर पराली नहीं जलाई गई, इसके बावजूद वायु गुणवत्ता सूचकांक वीरवार के 238 की अपेक्षाकृत शुक्रवार को 342 पर पहुंच गया।

दिनभर धूप रही, लेकिन वातावरण में प्रदूषण का प्रभाव सांस के मरीजों को परेशान करता रहा। हरसेक ने शुक्रवार को कृषि विभाग को एक जगह पर आग लगने की रिपोर्ट दी थी, लेकिन वहां पराली में आग लगी नहीं मिली।

शुक्रवार को दिन के तापमान में भी मामूली गिरावट दर्ज की गई और 34.8 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इससे पहले शुक्रवार को सुबह के समय मौसम में आद्रिता 68 प्रतिशत और शाम के समय भी 68 प्रतिशत दर्ज की गई।

इस सप्ताह 10 से 13 डिग्री रहेगा
रात्रि तापमान, शुक्रवार को एक भी
जगह नहीं जली पराली

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खिचड़ के अनुसार, 26 अक्टूबर तक मौसम परिवर्तनशील एवं खुशक बना रहेगा। इस दौरान दिन का तापमान 31 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच और रात्रि तापमान 10 से 13 डिग्री के बीच रहने की संभावना है। जिले में अब तक 45 जगह जली पराली, 41 के चालान : जिले के गांवों में अब तक 45 जगहों पर पराली जलाए जाने के मामले सापेने आए हैं। इसके लिए 41 लोगों के एक लाख दो हजार पाँच सौ रुपये के चालान किए गए हैं। हालांकि हरसेक ने कृषि विभाग को अब तक 100 जगहों पर आग लगने की रिपोर्ट दी है, लेकिन कृषि विभाग की टीम ने मौके का मुआयना करने के बाद 45 जगहों पर पराली में आग लगना पाया था। शुक्रवार को जिले में पराली जलाने को कोई केस नहीं आया, लेकिन फिर भी एक्यूआई 342 पर पहुंच गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमृजाला

दिनांक २६. १०. २०२० पृष्ठ संख्या ५ कॉलम १-२

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. मदन खिचड़

यूं करें मौसम अनुसार फसलों की बिजाई

प्र देश में 30 अक्टूबर तक मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील, परंतु खुशक रहने की संभावना है। क्षेत्र में कहाँ-कहाँ 26 अक्टूबर रात्रि को आशिक बादल रहेंगे। इस दौरान बीच-बीच में हवाएं चलने से तापमान में हल्की गिरावट की संभावना है।

● सरसों : सरसों की बिजाई उन्नत किस्मों विजाई से पूर्व बीज का उपचार जैविक आएच 725, आएच 749, आएच 30, आएच 406 आदि के प्रमाणित बीजों से जल्दी पूरी करें। बिजाई से पहले 2 ग्राम कारबेन्डाजिम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से अवश्य उपचारित करें।

● चना : देसी चने की बिजाई के लिए खेत को अच्छी प्रकार से तैयार करें और उन्नत किस्मों के साथ बिजाई शुरू करें। देसी चने की उन्नत किस्मों बारानी व सिंचित क्षेत्रों के लिए एचसी एक और सिंचित क्षेत्रों के लिए एचसी तीन (मोटे दाने वाली किस्म) व एचसी पांच किस्मों का प्रयोग करें। बिजाई से पहले बीज का राइजोबियम के टीके से उपचार करें।



डॉ. मदन खिचड़
विभागाध्यक्ष,
कृषि मौसम
विज्ञान विभाग
एचएयू।

गेहूं की अगेती बिजाई के लिए
करें मही किस्मों का चयन : गेहूं की बिजाई के लिए अगेती बिजाई वाली उन्नत किस्मों के बीजों का प्रबंध करें व खाली खेतों को अच्छी प्रकार से तैयार करें। अगेती बिजाई के लिए यदि अच्छा पानी उपलब्ध हो तो डब्लूएच 1105, एचडी 2967, एचडी 3086 व डब्लूएच 711 किस्मों के प्रयोग करें। यदि कम पानी उपलब्ध हो तो अगेती बिजाई के लिए सी 306, डब्लूएच 1080, डब्लूएच 1142 किस्मों का प्रयोग किया जा सकता है।

● अन्य बीज उपचार : जड़ गलन बीमारी से बचाने के लिए 2.5 ग्राम बाबिस्टीन प्रति किग्रा. बीज की दर से उपचारित करें। उखेड़ा रोग से बचाव के लिए प्रस्तुति : संघीय विझनोर्ड, हिसार

सवाल भेजें

(हार्डसेप नंबर) 7617566173
roh-cityreporter@roh.amarujala.com



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाठ्यपुस्तक.....

दिनांक २५.१०.२०२० पृष्ठ संख्या.....१.....कॉलम.....

फसल अवशेषों का आधुनिक तकनीकों व मशीनों से करें प्रबंधन : डॉ. आर.एस. हुड्डा

पाठ्यक्रम न्यूज़

हिसार, 25 अक्टूबर : किसान फसलों के अवशेषों को जलाने की बजाय उनका आधुनिक तकनीकों व मशीनों के माध्यम से उचित प्रबंधन करें। इससे एक ओर जहाँ पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है वहाँ दूसरी ओर जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में भी मदद मिलती है। यह आह्वान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने किया। वे सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'फसल अवशेष प्रबंधन' विषय को लेकर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समाप्त अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे न केवल स्वयं बल्कि अन्य किसानों को भी इस बारे में अधिक से अधिक जागरूक करें और फसल अवशेष जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में बताएं। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक डॉ. ए.के. गोदारा ने संस्थान द्वारा बेरोजगार युवाओं के लिए चलाए जाने वाले विभिन्न कौशल कार्यक्रमों की भी विस्तार से जानकारी दी और इस प्रशिक्षण के सफल आयोजन के लिए

आयोजकों व प्रशिक्षणार्थियों की सराहना की।

क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान कॉल(कैथल) के सहायक वैज्ञानिक डॉ. राकेश खरब ने प्रतिभागियों को धान की कम समय में पकने वाली किस्मों जैसे पुसा-1121, पुसा-1501 आदि को अपनाने की सलाह दी, क्योंकि इनमें फसलों के अवशेष कम होते हैं। कृषि विज्ञान केंद्र फतेहाबाद से जिला विस्तार विशेषज्ञ(मृदा विज्ञान) डॉ. संतोष कुमार सिंह ने फसलों के अवशेष को मिटटी में मिलाने के लिए आधुनिक मशीनों व तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फसल अवशेषों को मिटटी में मिलाने से भूमि की उर्वरा शक्ति में बढ़ोतरी होती है। सहायक निदेशक डॉ. निर्मल कुमार ने फसल अवशेषों को जलाने से होने वाले नुकसान को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने फसल अवशेष प्रबंधन के विभिन्न लाभों के बारे में भी बताया। कार्यक्रम के संयोजक सहायक निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागी शामिल हुए। इस दौरान प्रतिभागियों ने फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर सवाल-जवाब भी किए जिनका बहुत ही बेहतर तरीके से वैज्ञानिकों द्वारा समाधान किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पांच बजे

दिनांक २५.१०.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

फसल अवशेष का मशीन के माध्यम से करें उचित प्रबंधन : हुड्डा

हिसार. किसान फसलों के अवशेषों को जलाने की बजाय उनका आधुनिक तकनीकों व मशीनों के माध्यम से उचित प्रबंधन करें। इससे एक ओर जहां पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है वहीं दूसरी ओर जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में भी मदद मिलती है। यह आत्मान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने किया। वे सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'फसल अवशेष प्रबंधन' विषय को लेकर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे।